डिजीटल पत्र

कांग्रेस दर्पण

पटना, 29 मार्च, बुधवार, 2023

दैनिक

तपस्या जारी है...

हर कदम पर हमें रोकने और हमारी आवाज को दबाने की खोखली कोशिशें इस बात का सबूत है कि–

तानाशाह डरा हुआ है, घबराया हुआ है।

हमारे सच से बौखलाया हुआ है।

लेकिन हम किसी भी कीमत पर हार नहीं मानेंगे।

तानाशाह हारेगा, लोकतंत्र की जीत होगी।

तानाशाही सरकार को ज़वाब जल्द ही देगी जनता:लालजी देसाई

पटना । कांग्रेस दर्पण

सत्य परेशान हो सकता हैं, पराजित नहींर उक्त बातें कहना है अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष श्री लालजी देसाई का श्री देसाई ने कहा कि वर्तमान समय कितना भी मुश्किलों से क्यों ना भरा हो, धैर्य और साहस से सामना करने की शक्ति सभी विपत्तियों को दूर भगा देती हैं। भ्रष्टाचारी को चोर कहने से ओबीसी का अपमान हो रहा हैं, महंगाई को डायन कहने से उसे महिला विरोधी कहा जा रहा हैं।

जल्द ही बेरोजगारी की भी कोई जाति निकाल कर उसके अपमान की बात बोल दीजिए, देश की सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा।

तानाशाही सरकार इस कदर लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा रही हैं, जिससे ऐसा प्रतीत होता हैं। यह लोकतंत्र को ही खत्म करने के पक्ष में हैं।यह तानाशाही सरकार जो हैं, देश के लोकतंत्र का मजाक उड़ा रहीं हैं। कांग्रेस सेवादल के कार्यकर्ता दिल्ली के लाल किला पर एक जुलूस निकालना था। लेकिन इस देश के तानाशाही सरकार के पुलिस ने सभी जगह चारों ओर बेरिकेट करके रखा हैं, और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को जबरदस्ती उठा रहे हैं। उसके ऊपर बर्बरता पूर्ण रवैया अपना रहीं हैं। लेकिन कांग्रेस सेवादल इस देश में अंधेरा पैदा करने वाली सरकार के खिलाफ ज्योत जला रहे हैं। दिल्ली लाल किले से मसाल जुलूस के साथ आवाहन कर रहें हैं, कि देश में अब तानाशाही सरकार नहीं चल सकती हैं ना हीं कांग्रेस सेवा दल इस तानाशाही सरकार को इसके तानाशाही फरमान को नहीं चलने देगीं।

मोडी अडानी भाई भाई,
देश को बेच पाई खाई।

मोदी सरकार के दमनकारी नीतियों के विरोध में शांतिपूर्ण सत्याग्रह

पटना । कांग्रेस दर्पण

आज 28 मार्च 2023 मंगलवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी एवं बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के तत्वाधान में खगड़िया जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा बापू नगर बलुआही खगड़िया के समीप महात्मा गांधी जी के प्रतिमा के समक्ष जिला अध्यक्ष श्री कुमार भानु प्रताप उर्फ गुड्डू पासवान के नेतृत्व में केंद्र की मोदी सरकार के दमनकारी नीतियों के विरोध में शांतिपूर्ण सत्याग्रह किया गया। जिसमें काफी संख्या में कांग्रेस के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक में उपस्थित जिला अध्यक्ष गुड्डू पासवान ने कहा कि जिस साजिश तहत केंद्र की मोदी सरकार ने सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर राहुल गांधी की संसद की सदस्यता को समाप्त कराया है, इससे यह साफ झलकता है कि यह सरकार विपक्ष को पूरी तरह समाप्त करना चाहती है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की सदस्यता रद्द नहीं हुई है बल्कि आधिकारिक रूप से भारतीय लोकतंत्र का गला घोंटा गया है। हाल के दिनों में भारत जोड़ो यात्रा से राहुल गांधी की लोकप्रियता काफी बढ़ी है, जिसको लेकर मोदी सरकार बौखला गई है, और पूरी तरह से डरी हुई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार विपक्ष के स्वर को पुरी तरह दबाना चाहती है, इससे पूरा लोकतंत्र खतरे में पर गया है। इसलिए कांग्रेस ने लोकतंत्र बचाने के लिए पूरी तरह कमर कस लिया है, और सरकार के खिलाफ आंदोलन कर इस तानाशाह सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया है। अगर हम लोग अब नहीं जागेंगे तो 2024 का चुनाव आखिरी चुनाव होगा फिर सिर्फ तानाशाह होगी। उक्त मौके पर जिला उपाध्यक्ष कुमोद कुमार सिंह, बुद्धदेव प्रसाद यादव, कुंदन कुमार सिन्हा, बबीता कुमारी, विनोद मालाकार, जिला प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी अरुण कुमार अधिवक्ता, महिला कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष राज किरण ठाकुर, प्रदेश महासचिव डॉ रेणु कुमारी, एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव नवीन यादव, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव इशरत प्रवीण, लाली किन्नर, जिला महासचिव मनोज मिश्रा, अर्जुन स्वर्णकार, रामचंद्र यादव, कैलाश शर्मा, जिला सचिव राजीव उर्फ गुड्डू, प्रमोद राय, किसान

प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष प्रसेनजीत, एससी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अविनाश कुमार अविनाश, खगड़िया सदर प्रखंड कार्यकारी अध्यक्ष सह प्रदेश प्रतिनिधि उदय यादव, खगड़िया प्रखंड अध्यक्ष मनोज चौधरी, अलौली प्रखंड अध्यक्ष प्रवीण कुमार पंकज, मानसी प्रखंड अध्यक्ष प्रतिभा कुमारी, गोगरी प्रखंड अध्यक्ष रवींद्र चौरसिया, नगर अध्यक्ष रौशन चंद्रवंशी, कांग्रेस नेता अजय ठाकुर, सुभाष रत्न, अजीत मिश्रा, राजीव कुमार रंजन, विनोद राम, विवेकानंद सिंह, विवेकानंद शर्मा, पप्पू पासवान, मीनी कुमारी, मिथुन पासवान, सुनील कुमार झा, अर्जुन यादव, गौरव कुमार, चंदन कुमार यादव आदि उपस्थित थे।

भाजपा सरकार के तानाशाही और दमनकारी नीतियों के खिलाफ लोकतंत्र बचाओ मशाल शांति मार्च

पटना । कांग्रेस दर्पण

आज कांग्रेस, युवा कांग्रेस, कांग्रेस सेवादल, इंटक, एन एस यू आई के नेता, कार्यकर्ता भाजपा सरकार की तानाशाही और दमनकारी नीतियों के खिलाफ गया के स्थानीय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी प्रतिमा स्थल से टावर चौक तक शांतिपूर्ण प्रदर्शन आयोजित किया गया।

मशाल प्रदर्शन में शामिल बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह क्षेत्रीय प्रवक्ता प्रो विजय कुमार मिठू, पूर्व विधायक मो खान अली, शशि किशोर शिशु, बाबूलाल प्रसाद सिंह, राम प्रमोद सिंह, अभिषेक श्रीवास्तव, उदय शंकर पालित, दामोदर गोस्वामी, रंजीत कुमार सिंह, अमित कुमार उर्फ रिंकू सिंह, शिव कुमार चौरसिया, युवा कांग्रेस के अध्यक्ष विशाल कुमार, सन्नी उजाला,मो मोजम्मिल, धरम भवानी सिंह, शशिकांत सिन्हा, श्रवण पासवान, मनीष चौबे, श्याम देव मिश्रा, आलोक कुमार, प्रवीण कुमार, उमाकांत गुप्ता, आदि ने कहा की भाजपा सरकार की तानाशाही चरम पर पहुंच गई है, देश के सभी विपक्षी दलों के लगातार मांग के बाद भी अडानी प्रकरण महाघोटाला की जेपीसी मांग के बाद भी मोदी सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रहा है, सरकार पूरी तरह महंगाई, बेरोजगारी, भष्टाचार पर गूंगी बहरी बनी हुई है। नेताओ ने कहा की भारत के लोकतंत्र को खून से सींचने वाली नेहरू परिवार को देशद्रोही कहा जा रहा है, आनन, फानन में सदस्यता समाप्त कर, चार टर्म एम पी रहने वाले राहुल गांधी को बंगला खाली करने की नोटिस देने के बाद, श्री गांधी ने इसके लिए धन्यवाद देते हुए जल्द ही बंगला खाली करने का पत्र सरकार को लिखा दिया है । नेताओ ने कहा की जो नेहरू परिवार अपनी सारी संपत्ति यहां तक कि इलाहाबाद का पुस्तैनी मकान आनंद भवन को देश को दान कर दिया उसे बंगला खाली कराने की नोटिस जारी कर 22 अप्रैल तक समय दिया जा रहा है।

नेताओ ने कहा की राहुल गांधी जी के मुद्दे पर आज सारा विपक्ष एकजुट है, देश की महान जनता के समस्याओं , बेहतरी, खुशहाली के लिए कांग्रेस पार्टी शुरू से लड़ते आई है, और हमेशा लड़ते रहेगी।

नेताओ ने कहा की देश में अंध भक्त लोग शायद यह भूल चुके है की हाथ में हथकड़ी, जिला खारिज व्यक्ति आज देश के गृह मंत्री है , लेकिन वही लोग बनावटी मानहानि मुकदमा के सजा के बाद तरह, तरह के खयाली पुलाव पका रहे है। कांग्रेस पार्टी देश की आजादी से लेकर गरीबी हटाओ , राष्ट्रीयकरण, सहित देश के इतिहास ही नहीं बल्कि भूगोल भी बदलने का काम किया ।

विजय कुमार मिठू

जिसके पूर्वजों ने अपने करोड़ों की संपत्ति देश के लिए न्योछावर कर दी उसे घर खाली करने का नोटिस मिला है, वाह हिटलरशाही वाह !

पटना। कांग्रेस दर्पण

पिछले दिनों नीरव मोदी, ललित मोदी, मेहुल चोकसी और गौतम अडानी के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए 2 साल की सजा सुना दी गई, राहुल गांधी को अपील करने का मौका भी नहीं दिया गया और उनकी संसद सदस्यता भी उतावलेपन में रद्द कर दी गई, जिसके बाद यह तो तय हो गया की इस सरकार में लोकतांत्रिक मूल्यों का कोई ठिकाना नही रह गया है, अब राहुल गांधी जी को दिल्ली आवास को खाली करने का ऑर्डर दिया गया है, जिसके पूर्वजों का इस देश की लोक तंत्र ने इतना योगदान रहा है, जिसके दादी और पिता की खून इस देश की एकता और अखंडता के लिए इस मिट्टी में मिले हुए हैं उसके साथ ऐसा बर्ताव मोदी सरकार की नियत पर सवाल उठाता है, कुछ वर्ष पहले राहुल जी की सुरक्षा में भी कटौती की गई थी लेकिन हाल की घटनाओं ने तो लोकतांत्रिक व्यवस्था को शर्मसार कर दिया है, नरेंद्र मोदी और भाजपा ने नीचता की हद पार कर दी है !

आइए इतिहास से आपको रूबरू कराते हैं – राहुल गांधी जी के परनाना और देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु ने आजादी के बाद ₹भारत निर्माण₹ में अपनी 98 फ़ीसदी निजी सम्पत्ति यानी 196 करोड़ रूपए दान में दे दी। जब सावरकर 60 रूपए की पेंशन के लिए अंग्रेजों के यहां जी हुजूरी करते थे तब नेहरू जी के पिता मोती लाल नेहरु 30 हज़ार रूपए सलाना टैक्स भर रहे थे।

इलाहाबाद के बीचो–बीच चालीस बीघे में फैले आनंद भवन, स्वराज भवन और कमला नेहरू मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा संचालित

कमला नेहरू अस्पताल देख लीजिए। इन तीनों के बाज़ार में कितने हज़ार करोड़ भाव होंगे इसका अंदाजा लगा लीजिए।

नेहरू को भी हर महीने लाखों में किताबों से रॉयल्टी की रकम मिलती थी। यह सब उन्होंने इलाहाबाद के कमला नेहरू मेमोरियल अस्पताल को दान कर दिया, बचत खातों में केवल पच्चीस हजार रुपए की एक छोटी राशि जमा की गई थी !

जिसके पुरखों के कपड़े इस देश की सरकारी म्यूजियम की शोभा बढ़ाते हैं।

उसके बेघर करने होने पर कुछ लोग जश्न मना रहे हैं? वो राजा के घर में पैदा हुआ है लेकिन कंटेनर में भी रह लेगा, भारत जोड़ने के लिए चार हजार किलोमीटर पैदल यात्रा किया है उसने और पांच महीने तक कंटेनर में ही रात गुजारी है।

अब देश वासियों को सोचना है देश कहां जा रहा है, क्या इस देश में चोर, भ्रष्ट और लुटेरे के खिलाफ आवाज उठाना इतना बड़ा अपराध हो गया। क्या यह गुलामी का दौर नही जहां सिर्फ और सिर्फ राजा के मन की चलेगी !

– अनम सुलतान खान
प्रतिनिधि – बिहार कांग्रेस

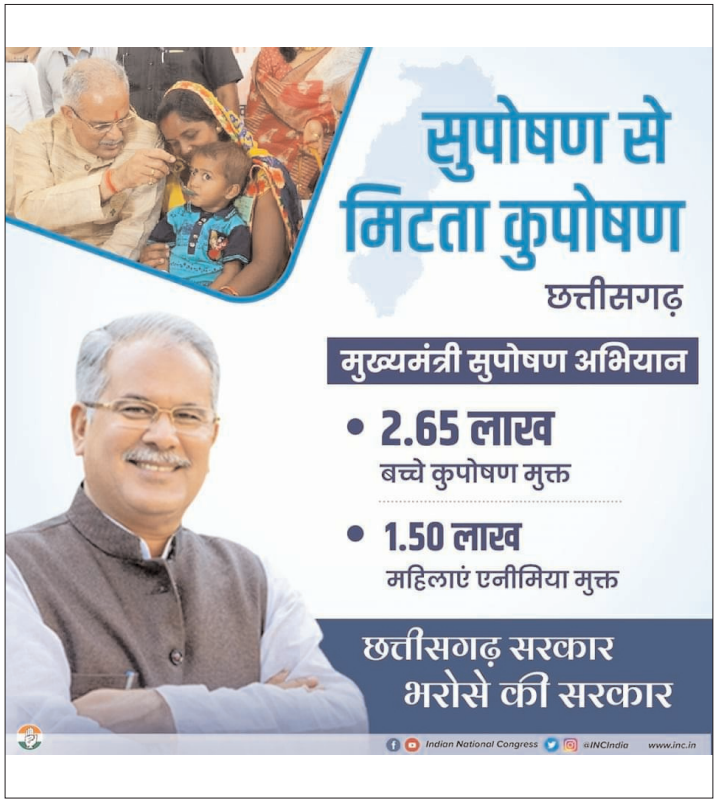

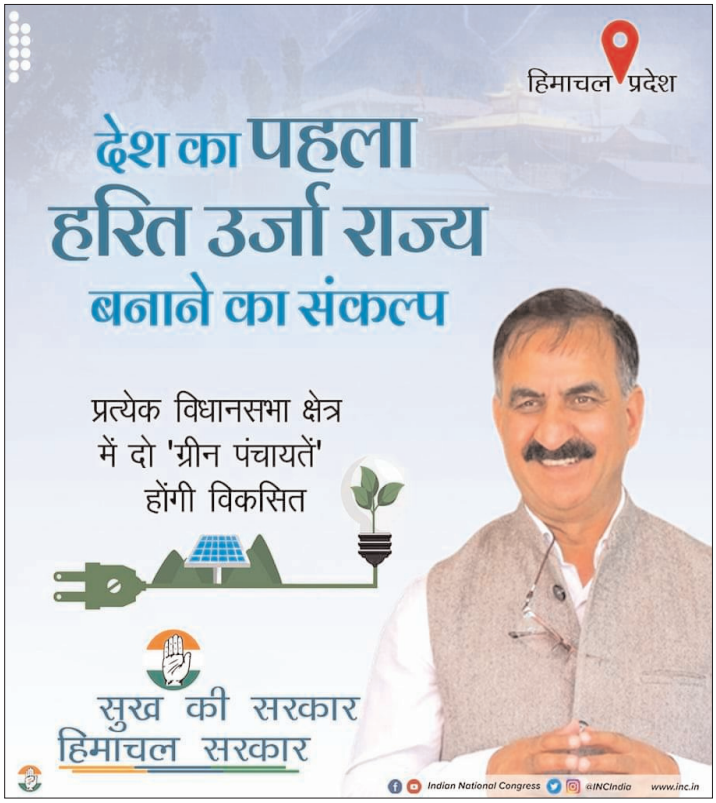

प्रधानमंत्री जी का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन

पटना।कांग्रेस दर्पण

आज दरभंगा जिला युवा कांग्रेस के द्वारा लोकतंत्र के हत्या के विरोध में जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस श्रीमती मितू कुमारी की अध्यक्षता में और एनएसयूआई के प्रह्लाद कुमार सिंहा के संचालन में लहेरिया सराय टावर पर माननीय प्रधानमंत्री जी का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया पूर्व प्रदेश महासचिब ने कहा कि सरकार द्वारा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सांसद श्री राहुल गांधी की लोकसभा सदस्य रद्द करना लोकतंत्र के इतिहास में काला दिन के रूप में याद किया जाएगा प्रदेश युवा कांग्रेस महासचिव श्री राहुल कुमार झा कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आज का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में काला दिन के रूप में याद किया जाएगा जिस तरह राहुल गांधी के राजनीतिक बयान को भाजपा शासित राज्य में नरेंद्र मोदी के इशारे पर मानहानि का मुकदमा करवा कर दो साल की सजा करवा दी गई है आज प्रधानमंत्री के इशारे पर हमारे नेता राहुल गांधी के लोकसभा की सदस्यता समाप्त कर दी गई है राहुल गांधी नरेंद्र मोदी के मित्र गौतम अडानी के घोटालों का पर्दाफाश लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर कर रहे थे आज सिर्फ और सिर्फ गौतम अडानी को बचाने के लिए प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी के सदस्य लोकसभा सदस्यता समाप्त कर दी प्रदेश महासचिव सैयद एजाज ने कहा लोकसभा सदस्य समाप्त कराने से सदमे में है बीजेपी राहुल गांधी ना कभी डरे हैं ना कभी डालेंगे और नहीं झुकेंगे। कार्यक्रम में जिला युवा कांग्रेस महासचिव विशाल कुमार जिला महासचिव राहुल राठौड़ सोशल मीडिया के प्रदेश कोऑर्डिनेटर दिवाकर सिंह बेनीपुर विधानसभा के अध्यक्ष राजकुमार झा जिला कांग्रेस के कन्हाई चौधरी हसमत अली साइन परवेज नसरुल्ला राहुल पासवान इत्यादि

महामहिम पूर्व राज्यपाल माननीय श्री निखिल कुमार जी को गर्मजोशी के साथ स्वागत

पटना।कांग्रेस दर्पण

सिकड़िया मोड़ पर जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद यादव जी एवं पदाधिकारी गण पुष्प माला पहनाकर महामहिम पूर्व राज्यपाल माननीय श्री निखिल कुमार जी को गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। पूर्व राज्यपाल महोदय औरंगाबाद अपने आवास से 03बजे शेरघाटी डोभी होते गया से न ई गोदाम स्थित पूर्व सांसद स्व, रणजीत सिंह उर्फ रंग बाबु के निवास पर शोक संतप्त परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त किए। परिवार से मिलकर सांत्वना देकर धैर्य रखने का साहस दिये। उन्होंने कहा कि स्व, रणजीत बाबू जनप्रीय नेता थे। ईस मौके पर जिलाध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद यादव जी, युगल किशोर सिंह, मिथलेश सिंह, ज्ञानेंद्र कुमार शिशु, कमलेश चंद्र वंशी, श्रवण पासवान, रणजीत सिंह, शशिकांत सिंहा, बवलू शर्मा, मोहम्मद खैरूदीन, जितेन्द्र यादव आदि शामिल हुए।

भवदीय
चंद्रिका प्रसाद यादव
अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी गया।

देश की आवाज राहुल गांधी जी की संसद सदस्यता खत्म करने व केंद्र सरकार द्वारा लोकतांत्रिक मूल्यों के हनन के विरोध में जोधपुर संभाग की सभा में। पाली जिले के पूर्व लोकसभा सांसद श्रीमान बद्रीराम जी जाखड़ की अगुवाई में और भारतीय बाल श्रम बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष, श्रीमान शिशुपाल सिंह की अगुवाई मेंभाग लेने पहुसे, कांतिलाल जी राजपरोहित, भंवर जी माली,भावी ब्लॉक अध्यक्ष शंकर लाल माली दुजाना

सुका राम दमामी देवतरा,ब्लॉक संयोजक सोशल मीडिया, हाथ से हाथ जोड़ो अभियान

सुमेरपुर

आज गंगरार मैं केंद्र की मोदी सरकार की तानाशाही एवं बाजपाई षड्यंत्र के चलते श्री राहुल गांधी जी की लोकसभा सदस्यता को निरस्त करने के विरोध मे आज गंगरार उपखंड कार्यालय के बाहर समस्त कांग्रेस कार्यकर्ताओ के साथ विधायक राजेंद्र सिंह जी बिधूड़ी साहब के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन में भाग लिया

भाजपा की तिकड़म से राहुल गांधी डरनेवाले नहीं

पटना। कांग्रेस दर्पण

"राहुल गाँधी माफी माँगो" नारा के साथ भाजपा सदन को चलने से रोकती रही है। इसके पीछे का सच सिर्फ अडानी मुद्दे पर बहस को रोकना या जे पी सी के गठन को रोकना नहीं है, उनका मकसद जनता के बीच राहुल गाँधी की लोकप्रिय हो रही छवि को धूमिल करना है, ताकि 2024 के चुनाव में फिर एक बार गोल मार सके।

भाजपा को पता है कि, राहुल गाँधी कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में और मीडिया के समक्ष ऐसी कोई बात नहीं कहे हैं, जो राष्ट्रविरोधी हो। उन्हें यह भी पता है कि देश की धरती पर या विदेश की धरती पर पीएम की कार्यशैली या कार्य का आलोचना तथा लोकतान्त्रिक मूल्यों का आलोचना राष्ट्र का विरोध नहीं है। उन्हें यह भी पता है कि, आज के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं तकनिकी युग में देश में या विदेश में, कहीं भी बोला जाय, पलक झपकते उसका प्रसार दुनिया के एक कोना से दूसरे कोना तक हो जायेगा।

₹भारत जोड़ो पदयात्रा₹ और उसके पश्चात राहुल गाँधी की सक्रियता से देश के अंदर उनकी लगातार बढ़ रही छवि से भाजपा घबराने लगी है। उन्हें 2024 में खतरा दिखने लगा है। उन्हें यह भी पता है कि अडानी मुद्दे पर सदन में विपक्ष को बहस का मौका मिल जाय और जे पी सी से जाँच हो जाय तो अडानी की काले कारनामों में प्रधानमंत्री की संलिप्तता उजागर हो जायेगी और 2024 तो दूर उसके पहले ही पीएम को त्याग पत्र देना पड़ जायेगा। यहीं कारण है कि सताधारी दल राहुल गाँधी को मुद्दा बनाकर सदन की कार्यवाही रोकती रही है।

हालांकि, यह भी सत्य है कि हाल के दिनों में देश में लोकतंत्र कमजोर हुआ है। लोकतांत्रिक ढाँचा चरमराने लगी है। लोकतांत्रिक संस्थाएं दबाव में कार्य कर रही है। अभिव्यक्ति के आज़ादी पर अंकुश लगने लगा है। संवैधानिक संस्थाएं भी दबाव में आ गयी है। सवोच्च नयायालय का चार चार जजेज मीडिया के समक्ष बयान दे चुके हैं कि लोकतंत्र खतरे में हैं, उन्हें बचाने के लिए देशवासियों को आगे आना चाहिये। इसका उदाहरण भी है, सदन में विरोधी दलों के आवाज को दबाना, राहुल गाँधी को सदन में बोलने से रोकना, बोलते हुए उनके माइक के आवाज को शान्त (ट४३ी) कर देना, न्यायालय द्वारा मिली सजा पर रोक के बावजूद, बिना देर किये राहुल गाँधी की लोकसभा सदस्यता समाप्त कर देना और सरकारी आवास खाली करने का नोटीस भेजना आदि आदि।

भाजपा कभी भी राष्ट्रहीत पर उतना बल नहीं देती है, जितना पार्टीहीत पर। भाजपा लगभग नौ साल (2014) से सत्ता में है। किन्तु नौ साल में राष्ट्र के सर्वांगीण विकास हेतु एक भी योजना नहीं दिया है, सिवाय योजनाओं के नाम बदलने के। रोजगार का अवसर पैदा नहीं किया है, महँगाई बढाई है, सरकारी संस्थाओं को निजी हाथों में बेच रही है, कुछ कम्पनियों को भी बेच रही है और कुछ को बन्द कर रही है। विनिवेश औए निवेश तो दूर–दूर तक नजर नहीं आता है। चुनाव पूर्व किये गये वायदा–विदेशों से काला धन वापस लाना, सभी के खाते में15–15 लाख रुपये डालना, 100 स्मार्ट सिटी बनाना, प्रति वर्ष 2 करोड लोगों को रोजगार देना, महंगाई कम करना, बुलेट ट्रेन चलाना, 2022 तक सबको घर उपलब्ध कराना, डीजल–पेट्रोल तथा घरेलू गैस का दाम कम करना, किसानों का आय दुगुना करना, लोकपाल बहाल करना आदि खोखला सिद्ध हुआ है। यानी 'सबका साथ सबका विकास' का नारा जुमला बनकर रह गया है। रिजर्व बैंक से रिजर्व धनराशि निकालना, विदेशों से अबतक का सबसे ज्यादा कर्ज के बोझ तले दबे रहना, अभाव और भुखमरी की स्थिति में बाध्य होकर 80 करोड़ जनता को मुफ्त अनाज देना, उनके तरक्की का राज खोल रहा है। उसी का नतीजा है कि विश्व हंगर इंडेक्स के अनुसार भारत बंग्लादेश, श्रीलंका और सोमालिया से भी पीछे 103वें अंक पर एवं खुशहाल देश की सूची में 139वें अंक पर पहुँच गया है। देश और देशवासियों का विकास हो या न हो, अलबता, भाजपा का विकास हुआ है, अरबों रुपये खर्च कर जमीन खरीदकर देश के 515 जिलों में पार्टी कार्यालय का निर्माण कर लिया है और दिल्ली में नौ सौ करोड़ की लागत से सात मंजिला विशाल एवं भव्य राष्ट्रीय कार्यालय का निर्माण किया है।

"बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ" का नारा देकर बेटी उत्थान और नारी सम्मान का सरकार ने जो ढिंढोरा पीटा, बढ़ते बलात्कार, यौन शोषण, अपहरण आदि उनका पोल खोलकर रख दिया है। बेटियाँ और महिलाएँ अपने को असुरक्षित महसूस करने लगी है।

जनता काफी त्रस्त हैं, फिर भी 'अच्छे दिन' के इन्तजार में भाजपा और सत्ता के संग है। भाजपा और सरकार ने जनता को धार्मिक और जातीय उन्माद की ऐसी घुट्टी पिलाई है, कि सारा दुख दर्द और तकलीफ को भूलकर उनके पक्ष में खड़ी है।

सिर्फ मौजूदा काल में भाजपा की कार्यशैली ऐसा नहीं है, अंग्रेजीकाल में भी (भाजपा के पूर्वजों का) ऐसा ही था। अंग्रेजी हुकूमत का समर्थन करना, बदले में धनराशि प्राप्त करना और भारतीयों पर कहर बरफाना, आजाद हिन्द फौज के विरोध में गोरों के सेना में शामिल होने के लिए भारतीयों से आह्वाहन करना, स्वतंत्रता की लड़ाई तथा अन्य आन्दोलनों का विरोध करना, राष्ट्रपिता द्वारा चलाये जा रहे आन्दोलन ₹अंग्रेजों भारत छोडो₹ का विरोध करना, यहाँ तक कि स्वतंत्रता का विरोध करना उनकी नीति थी, तो आज कैसे राष्ट्रहीत एवं जनहीत में कार्य करेंगे।

वर्तमान में राहुल गाँधी की सकारात्मक सक्रियता से भाजपा सरकार के गलत कारनामों का खुलासा होने लगा है, जिसके कारण भाजपा सरकार भयभीत हो गयी है और राहुल गाँधी को रास्ते से हटाना चाहती है, क्योकि वे भाजपा के तिकड़म से डरते नहीं हैं। इसी का नतीजा है कि हिदायत देकर छोड़े जा सकनेवाले एक साधारण मुकदमे में अधिकतम सजा दिलाकर सजा पर रोक के बावजूद आनन फानन में उनकी लोकसभा की सदस्यता समाप्त कर दी गयी। लेकिन, राहुल गाँधी ने कहा है कि हम सावरकर नहीं है, गाँधी हैं। सरकार की डरावनी नीतियों से डरनेवाले नहीं है। लोकतंत्र को बचाने के लिए हम सकरात्मक एवं नीतिगत लड़ाई लड़ते रहेंगे।

-रमाकान्त सिंह (पूर्व कॉग्रेस प्रत्याशी), प्रतिनिधि, बिहार प्रदेश कॉग्रेस पटना, उपाध्यक्ष, जिला कॉग्रेस कमिटी, सिवान।

"राहुल पे निशाना है-अडानी को बचाना है"

पटना।कांग्रेस दर्पण

1. एक शहीद के बेटे पर बार बार ये हमला क्यों? जिस इंदिरा गांधी जी ने देश के लिए जान दे दी, उसके पोते पर इतने वार क्यों? क्योंकि उन्होंने आपके भ्रष्टाचार और मिलीभगत पर आवाज उठा दी।

2. भ्रष्टाचार के आवाज उठा रहे व्यक्ति पर पूरी सत्ता का हमला क्यों?

3. एक बीमार मां की देखभाल कर रहे बेटे को 12-12 घंटे के लिए हफ्तों हफ्तों के लिए एक्के नाम पर अत्याचार क्यों?

4. विपक्ष के नेता का क्या काम है? जनता की आवाज उठाना। जनता की आवाज महात्मा गांधी, पं नेहरू, सुभाष बोस, सरदार पटेल, मौलाना आजाद ने उठाई। अंग्रेज उन्हें इसकी सजा देते थे। आज वही काम मोदी जी कर रहे हैं। जनता की आवाज उठाने पर, भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए राहुल गांधी को सजा दे रहे हैं।

5. राहुल जी जब से राजनीति में हैं किसानों की आवाज उठाते हैं, भूमि अधिग्रहण कानून लाए। किसान की रक्षा हुई। जब मोदी जी ने भूमि अधिग्रहण कानून खत्म करने की कोशिश की उसके खिलाफ राहुल गांधी जी खड़े हो गए और ऐसा करने से रोका। कौन है इस देश का किसान ? वह ओबीसी है, दलित है, सवर्ण समाज का है- राहुल जी उनके लिए लड़े। अब मोदी इसकी सजा देंगे?

6. मोदी जी किसानों के खिलाफ तीन काले कानून लाए - राहुल जी संसद में , सड़क पर किसानों के साथ खड़े हुए। अब मोदी इसकी सजा देंगे?

7. आदिवासियों की जमीन, उनके जंगल और पानी के लिए राहुल जी खड़े हुए। उड़ीसा का और देश का एक एक आदिवासी जानता है कि राहुल जी ने उनके जल जंगल जमीन के अधिकार की रक्षा की। अब मोदी इसकी सजा देंगे?

8. भारत का नौजवान जो बेरोजगारी की मार झेल रहा है। ऐसा एक दिन नहीं जाता जब नौजवानों के रोजगार और भविष्य की बात राहुल जी नहीं उठाते। राजनीति के अंदर उनकी सबसे बड़ी चिंता देश के युवा की है। उनकी आवाज वो हर मंच से उठाते हैं। अब मोदी इसकी सजा देंगे?

9. नोटबंदी के घोटाले ने गरीब को, छोटे व्यापारी को भयंकर नुकसान किया। मोदी की गलत रॅळ ने लाखों दुकानदारों का, करोड़ों छोटे छोटे व्यापारियों का धंधा चौपट कर दिया। आम जनता के लिए कितनी महंगाई कर दी। आटा, नमक, दूध, तेल, खाने पीने का सामान, घर की चीजें, गैस, पेट्रोल, डीजल महंगा कर दिया।

राहुल जी रोज इसके खिलाफ बोलते हैं। रोज छोटे व्यापारियों, छोटे दुकानदारों का दर्द उठाते हैं। गलत को गलत कहते हैं। अब मोदी इसकी सजा देंगे?

10. देश में कहीं भी दलितों पर अत्याचार होता है, गरीब के साथ अन्याय होता है, रउ-रळ ऐक्ट को खत्म करने की कोशिश मोदी जी करते हैं। राहुल जी दलितों के लिए, गरीबों के लिए ढाल बनकर खड़े हो जाते हैं। जैसा गुरु गोविंद सिंह जी ने कहा था ₹सूरा से पहचानिए जो लड़े दीन के हेत, पुर्जा पुर्जा कट मरे कबहूं न छाड़े खेत₹। अब मोदी इसकी सजा देंगे?

11. चाहे महिला आरक्षण का मामला हो, महिलाओं के अधिकार की बात हो, कहीं पर भी देश की महिलाओं के साथ अन्याय अत्याचार होता है - राहुल गांधी उनके लिए न्याय के लिए, देश की बेटी की गरिमा के लिए एक सगे भाई की तरह खड़े हो जाते हैं। बहनों के भाई की तरह उनकी रक्षा के लिए खड़े हो जाते हैं। अब मोदी इसकी सजा देंगे? अब मोदी एक भाई को भाई होने का फर्ज निभाने की सजा देंगे?

इससे बड़ा देशभक्ति का क्या काम है? गरीबों की आवाज उठाना, किसानों की आवाज उठाना, युवाओं के भविष्य के लिए बोलना, व्यापारियों और दुकानदारों की दिक्कत को देश के सामने रखना, महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना- इससे बड़ा देशभक्ति का क्या काम है? अब मोदी इसकी सजा देंगे?

देश देख रहा है। जनता की अदालत सबसे बड़ी है। वहां सबका घमंड और अहंकार टूट जाता है।

संसद में राहुल जी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई। मोदी जी अब बौखलाकर बदला ले रहे हैं।

राहुल गांधी जी के मामले की क्रोनोलॉजी समझिए

-7 फरवरीः राहुल जी ने ढट मोदी-अडानी पर लोकसभा में भाषण दिया

- 16 फरवरीः शिकायतकर्ता गुजरात हाई कोर्ट से खुद का ही लिया हुआ स्टे वापस लेता है

- 27 फरवरीः सुनवाई शुरू

- 17 मार्चः निर्णय रिजर्व

- 23 मार्चः निर्णय आता है - दो साल की सजा

24 मार्च- राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द

अब ऐसा होगा क्या? ऐसे देश चलेगा क्या? आपके पास सत्ता है, पैसा है, उद्योगपतियों का साथ है, मीडिया पर पूरा कंट्रोल है तो क्या समझते हो जनता की आवाज को दबा दोगे? सच्चाई की आवाज को दबा दोगे?

देश आपसे बहुत बड़ा है। जनता आपसे बहुत बड़ी है। जनता हमारी भगवान है। भगवान सब देख रहे हैं।

मोदी जी ये जो कौरवों की तरह आप चक्रव्यूह रच रहे हो कि अभिमन्यु को फंसा लोगे। सोचते हो अपने सेठों के साथ मिलकर चक्रव्यूह बना लोगे। अरे जब कौरवों का चक्रव्यूह टूट गया तो आपका भी तोड़ दिया जाएगा।

मत भूलिए, भारत की जनता और कांग्रेस पार्टी आपके इस चक्रव्यूह को तोड़ डालेगी।

कौरवों के पास भी बहुत सत्ता थी, पैसा था, सेना थी मगर सत्य नहीं था।

आज सत्य आपके साथ नहीं है। जनता आपके साथ नहीं है। आपका यह अन्याय, आपका अहंकार आपकी आंखें बंद कर चुका है।

आज देश की जनता इस बात को देख रही है। देश का संपूर्ण विपक्ष इस बात को देख रहा है।

देश के एक एक इंसान से, एक एक युवा और महिला से, एक एक किसान से, एक एक गरीब से, एक एक व्यापारी से मेरी प्रार्थना है - यह सत्य और सत्ता के बीच युद्ध है। आप इसमें सत्य का और हमारा साथ दीजिए।

देश का संपूर्ण विपक्ष आज मोदी की तानाशाही का विरोध कर रहा है। विपक्ष के एक एक दल से मेरा निवेदन है ये बीजेपी और मोदी जी लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं। लोकतंत्र बचेगा तभी देश बचेगा। हमें लोकतंत्र को बचाने के लिए, भारत में भ्रष्टाचार और लूट को रोकने के लिए आगे आना होगा, एक साथ आना होगा।

भारत के लोकतंत्र की रक्षा में अपने को झोंक दें कांग्रेसी

पटना।कांग्रेस दर्पण

जनता पार्टी की सरकार 1977-78 में विश्व नेत्री इंदिरा गांधी की लोकसभा सदस्यता छीन ली थी।

इससे देशभर में मिली सहानुभूति लहर से, तमाम कांग्रेसियों के जेल भरो अभियान से, जनता पार्टी सरकार हिल गई थी।

1 महीने के अंदर-अंदर लोकसभा में एक प्रस्ताव लाकर महान नेत्री इंदिरा गांधी की सदस्यता को बहाल करना पड़ा था।

आज फिर उनके पोते राहुल गांधी जी की लोकसभा सदस्यता छीन ली गई है।

तब जनता पार्टी की सरकार में भाजपाई अग्रज जनसंघ शामिल थी,और आज उसी जनसंघ के संस्थापक सदस्य लालकृष्ण आडवाणी जी के शिष्य नरेंद्र मोदी की सरकार ने,(जिन्होंने गुजरात चुनाव के दौरान खुले मंच से बिना नाम लिए राहुल गांधी को ललकारा था कि उसे जेल में बंद कर देंगे संसद सदस्यता छीन लेंगे)और कुछ दिन के बाद पिछले 22 मार्च को कोर्ट के माध्यम से उन्हें सजा मिली 24 मार्च को सदस्यता समाप्त हुई,27 मार्च को सरकारी बंगला खाली करने का नोटिस मिला।

कांग्रेसी साथियों यदि आप और हम हाथ पर हाथ धरे रह जाएंगे।

तो आने वाले समय में हमें झंडा उठाने में भी सोचना पड़ेगा, एवं सत्याग्रह जेल भरो आंदोलन,अहिंसात्मक आंदोलन, के जरिए हिटलर शाही सरकार का प्रतिकार करते रहना होगा।

इसी कड़ी को आगे बढाते हुए...कल दिनांक 29/03/2023 को दिन के 11:30 बजे मटिहानी ब्लॉक के सामने,मटिहानी युवा कांग्रेस के बैनर तले, एक बार फिर लोकतंत्र बचाओ -देश बचाओ कार्यक्रम के तहत आक्रोश पूर्ण प्रदर्शन एवं लोकतंत्र के हत्यारे पीएम नरेंद्र मोदी का पुतला दहन प्रस्तावित है।

भारत के लोकतंत्र की रक्षा में अपने को हम और आप झोंक दें--------

रणजीत कुमार,मुखिया जी,पूर्व जिला सचिव,बेगूसराय कांग्रेस कमेटी सह पूर्व युवा अध्यक्ष मटिहानी

गरीब परिवार को मदद करने की मांग

कुर्था विधानसभा क्षेत्र के गहरपुर गांव निवासी सियाराम यादव पिता स्वर्गीय महावीर यादव के गौशाला में आग लगने से उनकी निजी संपत्ति की काफी नुकसान हुई है जिस की खबर सुनकर कॉन्ग्रेस नेता राम विनय सिंह ने अग्निपथ परिवार से मिलकर संता बना दिया एवं सरकार से हर संभव गरीब परिवार को मदद करने की मांग की।

लोकतंत्र का चीरहरण कर रही भाजपा:- प्रभाकर झा

पटना।कांग्रेस दर्पण

28/03/2023 को नवादा जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष मोह्म्द इरशाद अंसारी के अध्यक्षता में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की संसद से सदस्यता रद्द किए जाने को लेकर देश के तानाशाह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का अर्थी जुलूस इंदिरा चौक से निकाला गया तथा प्रजातंत्र चौक पर अर्थी को जलाकर कार्यक्रम को समाप्त किया गया।

इस कार्यक्रम में उपस्थित नवादा लोकसभा युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के निवर्तमान समन्वयक प्रभाकर झा ने कहा कि राहुल गांधी जी द्वारा उठाए गए सवाल कि शेल कंपनी द्वारा अडानी समूह में लगाया गया 20,000 करोड़ रुपए किसका है तथा नरेंद्र मोदी जी एवं अडानी जी के रिश्ते क्या है ? भाजपा के मुखौटे को बेनकाब कर दिया जिससे भाजपा परेशान होकर लोकतंत्र का चीरहरण कर सूरत कोर्ट से 30दिनों का समय मिलने के वाबजूद राहुल गांधी जी की सदस्यता रद्द कर दी लेकिन राहुल गांधी भाजपा से डरने वाले नहीं है और तानाशाह प्रधानमंत्री से सवाल करते रहेंगे। श्री झा ने कहा कि भाजपा सरकार ने राहुल गांधी जी की सदस्यता रद्द करवा कर कायरता का परिचय दिया है नवादा जिला युवा कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष विश्वजीत भारती ने कहा कि देश में बेरोजगारी और महंगाई चरम सीमा पर है लेकिन भाजपा के कानों पर जूं नहीं रेंगती बल्कि नरेंद्र मोदी जी की सरकार जनहित में सवाल करने वाले विपक्ष के नेताओं की आवाज को दबाना चाहती है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बलिराम सिंह ने कहा कि नरेंद्र मोदी जी की सरकार किसानों की समस्याओं को नजरंदाज कर पूंजीपतियों को मदद करने में लगी है।

इस अर्थी जुलूस कार्यक्रम में विश्वजीत भारती , बलिराम सिंह ,मनोज कुमार, महेश कुमार सिंह, विजय कुमार तिलक तिवारी, वरुण तिवारी , यूपी सरदार , कुणाल , अभिषेक कुमार , टिंकू , रवि , सुजीत सहित सैकड़ों युवा उपस्थित थे।

बड़े भाई डॉक्टर संजय यादव जी को बधाई

बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल के हमारे बड़े भाई डॉक्टर संजय यादव जी को मुख्य संगठक बनने पर मैं प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय डॉक्टर अखिलेश प्रसाद सिंह एवं केंद्रीय नेतृत्व को आभार व्यक्त करते हुए डॉक्टर संजय यादव जी को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामना देता हूं इनको दायित्व देने से कांग्रेस सेवादल कि संगठन में मजबूती के साथ सशक्त रूप में बिहार में सेवादल मजबूत होगी इसके लिए मैं अपनी ओर से एवं प्रखंड कांग्रेस कमेटी सोनभद्र बंशी की ओर से बहुत-बहुत बधाई देता हूं

मो. कैफ
कांग्रेस प्रखण्ड अध्यक्ष बंशी

डॉक्टर संजय यादव जी को बधाई

बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल के हमारे बड़े भाई डॉक्टर संजय यादव जी को मुख्य संगठक बनने पर मैं प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय डॉक्टर अखिलेश प्रसाद सिंह एवं केंद्रीय नेतृत्व को आभार व्यक्त करते हुए डॉक्टर संजय यादव जी को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामना देता हूं इनको दायित्व देने से कांग्रेस सेवादल कि संगठन में मजबूती के साथ सशक्त रूप में बिहार में सेवादल मजबूत होगी इसके लिए मैं अपनी ओर से एवं प्रखंड कांग्रेस कमेटी कुर्था की ओर से बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

हाथ से हाथ जोड़ो अभियान सम्पन्न

पटना।कांग्रेस दर्पण

खेरवाड़ा, 27 मार्च अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार व राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आदेशानुसार एवं वर्तमान विधायक एवं पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री

डाक्टर दयाराम परमार के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी खेरवाडा के जवास मण्डल के सानिध्य में ग्राम पंचायत बनजारीया व परबीला में ₹ हाथ से हाथ जोडो ₹ अभियान सम्पन्न हुआ

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक डाक्टर दयाराम परमार, अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस कमेटी खेरवाडा के अध्यक्ष दिनेश मीणा,विशिष्ट अतिथि पंचायत समिति खेरवाडा की प्रधान पुष्पा मीणा,पंचायत समिति नयागांव की प्रधान कमला देवी परमार, जवास मण्डल अध्यक्ष थावरचंद डामोर, पंचायत समिति सदस्य दामोदर भणात थे

मुख्य अतिथि विधायक डाक्टर दयाराम परमार ने कहा कि देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने नफरत,भय का वातावरण बना दिया है तथा केन्द्र सरकार बडे -बडे विभागों का नीजिकरण कर दिया,सरकारी नौकरियां बन्द कर दी, देश का नोजवान बैरोजगार हो गये हैं, पेट्रोल,डीजल, गैस के दाम बढ़ा कर आवश्यक वस्तुऐं महंगी कर दी , जी एस टी लगा दीं उक्त सभी जानकारियां आम जनता पहुंचाने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 150 दिन 7 सितम्बर से कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल यात्रा की थीं उसी के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने 26 जनवरी 2023 से हाथ से हाथ जोडो अभियान शुरू किया हैं

उन्होंने कहा कि भाजपा की जनविरोधी नीतियों को हर नागरिक तक पहुँचाना तथा राज्य की कांग्रेस सरकार ने गरीब असहाय, मध्यम वर्ग के उत्थान के लिए जो जनकल्याणकारी योजनाएं प्रारम्भ की है,उसकी जानकारी कांग्रेस का पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता हाथ से हाथ जोडो अभियान के माध्यम से जनता तक पहुँचाने का आग्रह किया

इससे पूर्व बनजारीया के तेजाराम गमेती, परबीला सरपंच बदामी लाल ने अतिथियों का माला, साफा, शाल ओढाकर स्वागत किया समारोह को पंचायत समिति नयागांव की प्रधान कमला देवी परमार,पंचायत समिति खेरवाडा की प्रधान पुष्पा मीणा, मण्डल अध्यक्ष थावरचंद डामोर ने कार्यक्रम को सम्बोधित कियो इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी खेरवाडा प्रवक्ता गणेश मीणा,उपाध्यक्ष लक्ष्मण भगोरा,नफीसा बानो, सरपंच टीना मीणा,शारदा मीणा, सुनील डामोर,लोकेश खराडी, सचिव चन्दुलाल डामोर उपस्थित थे अन्त में अध्यक्ष दिनेश मीणा ने धन्यवाद एवं आभार व्यक्त कियो संचालन महासचिव प्रदीप भणात ने कियो

शिक्षक तथा स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों से महागठबंधन के उम्मीदवारों को कांग्रेस का पूर्ण समर्थन - डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह

पटना।कांग्रेस दर्पण

पटना, मंगलवार, 28 मार्च 2023

बिहार विधान परिषद की चार सीटों पर हो रहे चुनाव तथा एक सीट पर हो रहे उपचुनाव को लेकर बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने पार्टी के सभी नेताओं-कार्यकर्ताओं तथा संगठन के पदाधिकारियों को निर्देश जारी किया है कि सभी एकमत होकर महागठबंधन के अधिकृत उम्मीदवारों को जिताने में जुट जाएं।

इस आशय की जानकारी देते हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस मीडिया कमेटी के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कांग्रेस पार्टी के सभी विधायकों-पूर्व विधायकों, विधान पार्षद-पूर्व विधान पार्षद, सांसद-पूर्व सांसद तथा संगठन के सभी स्तर के पदाधिकारी समेत तमाम जिलाध्यक्षों से अपील किया है कि बिहार विधान परिषद की सभी 5 सीटों पर हो रहे चुनाव पर महागठबंधन के उम्मीदवारों को जिताने के लिए चरणबद्ध तरीके से कार्य आरंभ कर दें। उन्होंने कहा कि गया स्नातक क्षेत्र से राजद के उम्मीदवार पुनीत कुमार सिंह, गया शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जदयू के संजीव श्याम सिंह, कोशी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जदयू के संजीव कुमार सिंह तथा सारण स्नातक से जदयू के वीरेंद्र नारायण सिंह एवं सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से आनंद पुष्कर को सभी कांग्रेस के नेता तथा कार्यकर्ता चुनाव के दौरान एकजुटता के साथ पूर्ण सहयोग करेंगे। उन्होंने बताया कि महागठबंधन के सभी उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित है।

महागठबंधन के उम्मीदवारों को जिताने के लिए जुट जाएं कांग्रेस के एक-एक कार्यकर्ता - डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

राजेश राठौड़
चेयरमैन,मीडिया विभाग
बिहार कांग्रेस

आर एस एस की विचारधारा राष्ट्र के लिए घातक है :- राकेश राणा

पटना।कांग्रेस दर्पण

नई टिहरी में नरेंद्र मोदी सरकार का का किया पुतला दहन

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी जी की सदस्यता निरस्त किए जाने एवं उनके आवास को खाली किए जाने के आदेश को लेकर जिला मुख्यालय नई टिहरी गढ़वाल में कांग्रेस जनों द्वारा नरेंद्र मोदी सरकार का पुतला दहन किया

जिला कांग्रेस कमेटी टिहरी गढ़वाल के अध्यक्ष राकेश राणा ने कहा आम जनमानस नरेंद्र मोदी सरकार का असली चेहरा जान चुके हैं उन्होंने देश की जनता को जाति धर्म मंदिर मस्जिद हिंदू मुस्लिम भारत पाक के नाम से गुमराह कर रखा है।

उन्होंने 2014 में हिंदुस्तान के नौजवानों से वादा किया था कि प्रत्येक साल 2 करोड़ बेरोजगार नौजवानों को रोजगार देंगे माता और बहनों से वादा किया था कि महंगाई कम करेंगे लेकिन आज बेरोजगार दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं महंगाई सातवें आसमान पर है और अपने मित्र अदानी का घर भरने के लिए आम जनता का खून चूस कर हजारों करोड़ रूपया जनता का अडानी को दिया जा रहा है।

राहुल गांधी लगातार इस बात को देश की संसद और चाक-चौबंद चौराहे पर इस बात को उठा रहे जिसका उन्हें आज खामियाजा उठाना पड़ा उन्होंने कहा राहुल गांधी एक साफ स्वच्छ छवि के नेता हैं निडर है । जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश राणा ने कहा आज पूरा देश राहुल गांधी के साथ भाजपा की जन विरोधी नीतियों से लोग अब ऊब चुके हैं और जान चुके हैं कि नरेंद्र मोदी सरकार उद्योगपतियों के घर भर रही है और आम आदमी एक एक पैसे के लिए तरस रहा है आज समाज का प्रत्येक वर्ग केंद्र की मोदी सरकार से परेशान है ।

उपरोक्त कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री विजय गुनसोला प्रदेश प्रवक्ता शांति प्रसाद भट्ट शहर अध्यक्ष देवेंद्र नौटियाल प्रदेश सचिव सैयद मुशर्रफ अली, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष विक्रम सिंह पवार चंबा ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष साहब सिंह सजवान नगर अध्यक्ष शक्ति प्रसाद जोशी जिला उपाध्यक्ष रोशन नौटियाल महिला अध्यक्ष दर्शनी रावत सेवादल अध्यक्ष आशा रावत ,तनीषा रावत,युवा कांग्रेस अध्यक्ष नवीन सेमवाल उपाध्यक्ष बलवीर कोहली ,खुशीलाल, आई टी के प्रदेश महासचिव मुर्तजा बैग आदि कांग्रेस जन मौजूद थे।

हाथ से हाथ जोड़ो

पंडित मोतीलाल नेहरू ने अपनी हवेली आनंद भवन को स्वतंत्रता संग्राम का मुख्य केंद्र बनाया उनकी मृत्यु के बाद, पं. जवाहरलाल नेहरू ने 24 नवंबर, 1931 को उस हवेली को राष्ट्र को समर्पित कर दिया।

भारत के स्वतंत्र होने के बाद, देश का विभाजन हो गया और नेहरू ने अपनी संपत्ति का 98% दान कियाभारत सरकार के संपत्ति रिकॉर्ड के अनुसार, यह 196 करोड़ था और अब यह 12,000 करोड़ होगा।

नेहरू को हर महीने लाखों में किताबों से रॉयल्टी राशि भी मिलती थी, उन्होंने यह सब इलाहाबाद के कमला नेहरू मेमोरियल अस्पताल को दान कर दिया।

उन्होंने बच्चों राजीव और संजय के लिए बचत योजना में केवल..राजीव और संजय के लिए बचत योजना में केवल 25,000 की एक छोटी सी राशि जमा की थी।

1962 में, भारत-चीन युद्ध के दौरान, इंदिरा गांधी जी ने अपने सभी गहने राष्ट्रीय रक्षा कोष में दान कर दिए। अब भाजपा #राहुलगांधी का घर छीन रही है और सब देख रहे हैं...

''मेरा देश बदल रहा है''

हाथ से हाथ जोड़ो

प्रेस कॉन्फ्रेंस

प्रिय साथियों,

दिनांक 29/03/2023 बुधवार को 11:00 बजे दिन मे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमती अल्का लांबा जी हमारे नेता श्री राहुल गांधी जी की सदस्यता को झूठे व बेबुनियाद आरोप लगा कर केन्द्र की भाजपा सरकार के इसारे पर खतम करने के प्रकरण में मुजफ्फरपुर के तिलक मैदान स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करने जा रही हैं ।

आप तमाम कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गण,प्रदेश प्रतिनिधि गण, जिला कांग्रेस के सम्मानित पदाधिकारी गण,सभी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गण, सभी प्रखण्ड के अध्यक्ष गण एवं सम्मानित कार्यकर्ताओं साथियों से अनुरोध हैं कि कृपया सुबह 11:00 बजे जिला कांग्रेस कार्यालय तिलक मैदान में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें!

साभार

अरविंद कुमार मुकुल
अध्यक्ष
जिला कांग्रेस कमिटी मुजफ्फरपुर

सत्ता को भगत सिंह से परहेज क्यों ??

व्यक्ति विशेष

स्वयं को क्रांतिकारियों का पूजक कहने वाला वर्तमान सत्ताधारी दल, भगत सिंह से बचने का हरसंभव प्रयास करता है। इसके पीछे के कारणों को यदि समझने का प्रयास करें तो कुछ्ो गहरी बातें निकल कर सामने आती हैं। जिसे समझना देश के हर नागरिक के लिए जरुरी है क्योंकि बिना समझे हम उस विचाराधारा की थाह नहीं ले सकते जिसके हाथ में इस समय देश का भविष्य है।

पहली बात कि आज देश की सत्ता अपना नायक गढ़ना चाहती है, इसीलिए वह पूरा जोर लगा कर.. अंग्रेज़ी सत्ता से बिना शर्त माफी मांगने वाले और धर्म के नाम पर देश को बांटने का समर्थन करने वाले सावरकर को स्थापित करने में लगी है.. क्योंकि उसकी राजनितिक विचाराधारा को सावरकर सूट करते हैं। यही कारण है कि जहां एक ओर सावरकर को लगभग हर सरकारी आयोजनों में उल्लेखित कर उनको प्रासंगिक और स्वीकार्य बनाए रखने का प्रयास किया जाता है तो वहीं दूसरी तरफ भगत सिंह समेत उनके तमाम साथियों को महज राजनीतिक नारों में तब्दील करने का उपक्रम किया जाता है.. क्योंकि ऐसा न किया जाएगा तो सावरकर की माफी पर भगत सिंह का बलिदान भारी पड़ जाएगा और सत्ता पक्ष बड़ी मुश्किल से गढ़े जा रहे और देश पर थोपे जा रहे अपने नायक (सावरकर) को खो देगी।

इस संदर्भ में एक मजेदार बात देखने को मिलती है, जिससे वर्तमान सत्ताधारी दल का चरित्र और अधिक स्पष्ट हो जाता है। वर्तमान सत्ताधारी दल जहां एक तरफ़ अपने आपको प्रोजेक्ट करता है कि वह गांधी की विचारधारा सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय की नीतियों पर चल रहा है, लेकिन आधारिक रूप से वह गोडसे का हिमायती है। उसी गोडसे का जिसने गांधी की हत्या की थी। यह दल उन लोगों को अपने टिकट पर चुनाव भी लड़वाता है जो गांधी का विरोध करते हैं।

वहीं दूसरी तरफ़ सत्ताधारी दल अपने आप को क्रांति का समर्थक बताता है और इस क्षेत्र में वह क्रांति के सबसे बड़े नायक भगत सिंह के बजाय माफी वीर सावरकर को चुनता है। यह विरोधाभासी चरित्र और यह अवसरवादिता सत्ता पक्ष की पूरी राजनीतिक सोच को स्पष्ट करता है।

आशीष रंजन सिंह
इतिहासकार व शिक्षाविद
शोधकर्ता , दिल्ली विश्वविद्यालय

बहरहाल अब मुख्य विषय पर फिर से चलते हैं तो दूसरी बात यह स्पष्ट होती है कि , भगत सिंह छात्र आंदोलन और इंकलाब की बात करने वाले नायक रहे हैं। उनकी यह लोकतांत्रिक सोच, जिसमें विरोध की भी अपनी स्वीकार्यता होती है, सत्ता पक्ष की राजनीति को पसंद नहीं। सत्ता पक्ष को अपनी सीमाओं का भलीभांति पता है। उसे यह अच्छी तरह समझ में आता है कि उसके पास ऐसी कोई नीति नहीं है जिससे वर्तमान में देश का कल्याण संभव हो सके। यही कारण है कि वह इतिहास की आलोचना में अपना ज्यादा समय खर्च करती है। ऐसे में सत्ता पक्ष बिल्कुल नहीं चाहती कि उसकी आलोचना के लिए एक वर्ग संगठित हो।

इसलिए फिर चाहे जेएनयू हो या जाधवपुर या दिल्ली विश्वविद्यालय या जामिया या अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी जहां भी छात्र, संगठित होकर सत्ता की आलोचना करने का प्रयास करते हैं, सत्ता उनसे बात करने के बजाय उन्हें कुचलना या उनकी मानहानि करना बेहतर समझती है। अब सत्ता पक्ष के लिए दिक्कत की बात यह है कि भगत सिंह इसी आलोचक वर्ग जिसे हम युवा और छात्र भी कह सकते हैं, उसके नेता रहे हैं, उसके प्रेरणा स्रोत रहे हैं। यही कारण है कि सत्ता उनसे दूरी बना कर रखती है।यहां भी एक मजेदार बात देखी जा सकती कि सत्ता पक्ष सिर्फ युवाओं और छात्रों पर नियंत्रण स्थापित करने का ही प्रयास नहीं करती बल्कि उसके निशाने पर पूरा बौद्धिक समाज रहता है। इसलिए जो तर्क कर सकता है, जो प्रश्न पूछ सकता है, जो उत्तर की मांग कर सकता है सत्ता उनको पसंद नहीं करती। जनता की बात करने वाले, मुद्दों की बात करने वाले सभी शिक्षकों को सत्ता पक्ष अर्बन नक्सल की संज्ञा दे देती है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि शिक्षक समाज को एक दिशा देता है। भारतीय संस्कृति प्रश्नों के प्रतिकार पर नहीं प्रश्नों के स्वीकार पर चलती है। प्रश्न भारतीय संस्कृति के केंद्र में है। यहां नचिकेता यमराज से प्रश्न करने का साहस रखता है और यमराज नचिकेता के प्रश्नों को उत्तर देने के लिए बाध्य रहते हैं। भारतीय मूल्य परंपरा के विपरीत यह सरकार भगत सिंह के विचारों से परे जाकर एक नई राजनितिक संस्कृति का आरंभ कर बैठी है।

तीसरी बात यह की सत्ता पक्ष को अच्छी तरह पता है कि उसकी सारी राजनीति सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के इर्द गिर्द गति करती है, जिसमें जनता को सदैव इस बात का डर महसूस कराया जाता है कि जबतक वे सत्ता में हैं तभी तक वे (जनता) सुरक्षित हैं। और हमारे भगत सिंह ठहरे ईश्वर को चुनौती देने वाले, उनसे प्रश्न पूछने वाले नायक। भगत सिंह एक ऐसे समाज की समर्थक रहे हैं जहां रामप्रसाद अपने आप को घायल नहीं बल्कि बिस्मिल कहता है और पूरा देश उसे स्वीकार करता है । भगत सिंह एक ऐसी मानसिकता के पोषक रहे हैं जिसमें धर्म कभी खतरे में नहीं होता, खतरे में होता है देश। और, लड़ाई धर्म के लिए नहीं देश के लिए लड़ी जाती है। ऐसे में स्वाभाविक ही है की सत्ता पक्ष भगत सिंह से बचता दिखाई दे।

यहां प्रसंगानुकुल एक बात का उल्लेख करना आवश्यक है। अभी हाल ही में कर्नाटक में मुख्यमंत्री ने कहा है कि उनके राज्य में, स्कूलों में गीता पढ़ाई जाएगी। इसमें कहीं से कोई दो राय नहीं है कि गीता में उल्लेखित दर्शन वास्तव में जीवन का आदर्श बन सकता है लेकिन इसके समानांतर स्कूलों में भगत सिंह के मैं नास्तिक क्यों हूं पुस्तक को भी पढ़ाया जाना चाहिए ताकि धर्म दर्शन और ईश्वर की संतुलित व्याख्या हो सके। जब तक हम धर्म को लेकर एक संतुलन स्थापित नहीं करेंगे तब तक बहुत सारे राजनीतिक दल धार्मिकता की आग को भड़का कर उसमें अपनी रोटियां सेकते रहेंगे। इसलिए जरूरी है कि जहां तक संभव हो हम अपने नायकों के विचारों को पढ़ें ताकि हम में धार्मिक चेतना का विकास हो उसमें एक संतुलन स्थापित हो। साथ ही साथ हम पक्ष और विपक्ष दोनों मतों से का आकलन कर अपने धर्म की सीमाओं को निर्धारित कर सके।

और अंत में चौथी बात यह कि भगत सिंह, शिक्षा व्यवस्था में बौद्धिकता की वकालत करते हैं। उन्होंने 1928 में 'विद्यार्थी और राजनीति' शीर्षक से एक कालजयी लेख लिखा, जो जुलाई-1928 में 'किरती' में छपा था। इस लेख में भगत सिंह कहते हैं कि वह ऐसी शिक्षा व्यवस्था का विरोध करते हैं जो सिर्फ रोजगार के लिए तैयार की जाए । हम गहराई से नई शिक्षा नीति पर विचार करें तो हम पाएंगे कि नई शिक्षा नीति बौद्धिकता की तमाम संभावनाओं को नष्ट कर सिर्फ छात्रों के रूप में एक मशीन तैयार कर रही है। जो शिक्षा से दूर, जो अध्ययन चिंतन मनन से परे सिर्फ क्रेडिट्स और एग्जाम्स में व्यस्त रहें। ज्ञान प्राप्त करने की आयु में, बौद्धिक चेतना विकसित करने की अवस्था में छात्रों को कौशल प्राप्त करने के लिए भेजना वह भी उस समय, जब ऐसी स्थितियां तैयार की जा रही हैं कि रोजगार के सारे अवसर समाप्त प्रतीत हो रहे हैं और संभावनाएं धूमिल हो रही है। दरअसल सत्ता पक्ष हर उस प्रश्न को मस्तिष्क में कौंधने से पहले ही खत्म कर देना चाहती है जो उससे पूछे जा सकते हैं। एक यह भी एक बड़ा कारण है कि सत्ता पक्ष को भगत सिंह से डर लगता है।

कुल मिलाकर कहा जाए तो गांधी की तरह भगत सिंह भी वर्तमान सत्ताधारी विचारधारा के लिए एक ऐसे प्रतीक हैं जिसे वह न तो खुले मन से स्वीकार कर सकती है और ना ही तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें जनता के हृदय से मिटा सकती है। ऐसे में उसके पास एक ही विकल्प रह जाता है कि वह भगत सिंह को भी गांधी की तरह नारों में तब्दील करे सीमित करने का प्रयास करे। और सत्ता पक्ष वही कर रही है।

केंद्र सरकार के तानाशाही और लूट के खिलाफ 29 मार्च से 8 अप्रैल तक कांग्रेस करेगी जय भारत सत्याग्रह का आगाज

पटना।कांग्रेस दर्पण

☆ मोदी-अदानी के गठबंधन और राहुल गांधी के खिलाफ साजिश को लेकर कांग्रेस की एससी-एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक सेल जिलों में अंबेडकर और गांधी मूर्ति पर देगी धरना

☆ कांग्रेस के एससी-एसटी-ओबीसी और माइनॉरिटी सेल सभी जिलों में देगी मोदी सरकार के खिलाफ धरना

केंद्र की मोदी सरकार द्वारा आम जनता के जमापूंजी व बैंकों के पैसों को अडानी पर लूटाने, राहुल गांधी के संसद सदस्यता के छीने जाने और केंद्र सरकार की तानाशाही के खिलाफ 29 मार्च से 8 अप्रैल तक देशव्यापी ₹जय भारत सत्याग्रह₹ का आयोजन करेगी।

बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार की तानाशाही के खिलाफ अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के शीर्ष नेताओं द्वारा देशव्यापी सत्याग्रह का फैसला लिया गया है। इस फैसले के तहत 29 मार्च को बिहार कांग्रेस की एससी-एसटी विभाग, अति पिछड़ा विभाग और अल्पसंख्यक विभाग के द्वारा जिलों में अंबेडकर मूर्ति और गांधी मूर्ति पर एकदिवसीय सत्याग्रह का आयोजन किया जाएगा।

साथ ही पार्टी के द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आगामी 8 अप्रैल तक संचालित किए जाएंगे और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बताएं सत्याग्रह के राह को अपनाते हुए कांग्रेस गांधीवादी तरीके से लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ेगी।

संवाददाता सम्मेलन का आमंत्रण

दिनांक- 29 मार्च 2023
स्थान- सदाकत आश्रम
समय - 12.00 बजे दिन

महोदय

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री नाना पटोले कल दिनांक 29 मार्च 2023 को 12 : 00 बजे दिन में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम पटना में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करेंगे।

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।